



५



लां : ६, अंक : १० पृष्ठ : १२
कालापुर नवामनगर, लखनऊ

१२ दृश्य, २०२१
मूल्य ₹ २.००



www.shashwattimes.com

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

पृष्ठी में ३६२० रिपोर्ट्स कंटेनर्टी वाले होंगी मात्र... ६

1830 कांह ने अरुणीरिया के गवानिहेशीकरण की प्रक्रिया शुरू की थी।

(विषय इतिहास)

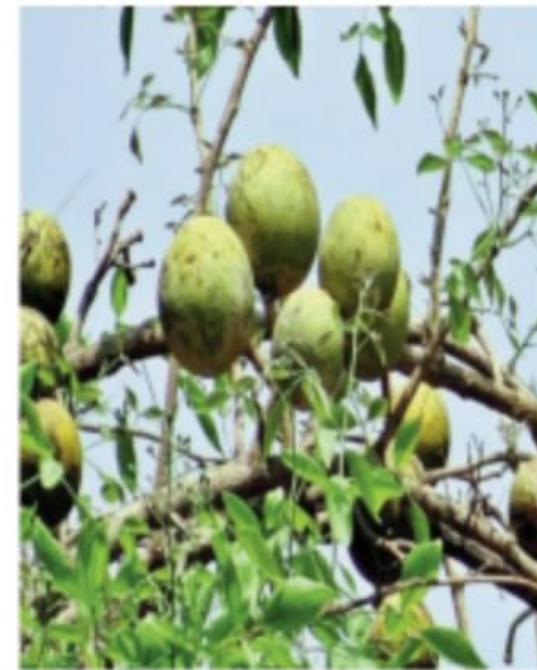
1952 लकातीम संविधान संघ ने जारान के नाम

बेल एक लाभ अनेक : डॉ रामप्रकाश

कानपुर। चंद्रसेखर आबाद कृषि एवं व्रिद्धिशिक्षा विभागितालय कानपुर कृषिपर्याय और कृषिकर जै.आर. सिंह द्वारा जारी वैज्ञानिकों को निर्देश के ज्ञान में आज वर्षां पौर्ण वैज्ञानिक एवं व्यापक दौर्य गम्भकरण ने बेल एक लाभ अनेक विषय पर जानकारी दी है। उन्होंने लाभायक किंवदन्ती कई विषयों की रोकथाम करता है जैसे कफ, बात, विकार, बदहजामी, दस्त, मूत्र रोग, पेशियां, लापविटोज, ल्यूकोमिया इसके अतिरिक्त पेट दर्द, दृढ़य विकार, पौलिया, बुखार, आंखों के रोग आदि में बेल के सेवन से लाभ प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि बेल एक प्रनुर माझ में औषधीय गुणों से भरपूर फल है। आयुर्वेद में औषधीय दृष्टि से बेल के अल्पेक भग्न, बीज, ताता, पत्ती और जड़ों का लाभ है। काष्ये वर्णों को मुख्यकर बनाया गया छूर्ण और्जीं और आमालिहार जैसे रोकता है द्वारा के सेवन से पेट स्फार रुकता है। उन्होंने कहा जल का रस ज्वरनाशक होता है। पक्षा फल खाने में स्वादिष्ट होता है। फल के गूदे से जबकृत लैयर किया जाता है जो गृहमें में लाभदायक होता है। काष्ये फल का मुख्या बनाया जाता



है जो बहुत स्वादिष्ट होता है। बेल में प्रोटीन, वीटा कैरोटीन, व्याघ्रीन, सिरोलीनिन और विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। बेल के फल का जीवनकाल काफी लम्बा होता है। पेह से टूटने के कई दिन बाद भी इसका इस्तेवाल किया जा सकता है। बेल का रस कोलेस्ट्रल के स्तर को नियंत्रित रखने में मददगार होता है। बेल के रस को जहां के साथ मिलाकर पीने से एसोडिया में गहर मिलती है। बेल के रस में कुछ मात्रा गुनगुने जानी की जिता ले और इसमें बोडी सी जहर ढाले, इस पेय के नियमित सेवन से सूख साफ हो जात है। बेल का रस तैयार करके उसमें कुछ बूर्ज यीं यीं मिल दोविए, इस पेय को हर रोज नियंत्रित मात्रा में ले। इसके नियमित सेवन से दिल से जुड़ी योमरियों से बचाव होता है। यह बन्द मुग्र को नियंत्रित करने में सहायक होता है। उन्होंने बताया की कोरेंगा की वैज्ञानिकों द्वारा लीसरी लड़की आलका जलाई जा रही है ऐसे में बेल का प्रयोग कर लौटे में रोग प्रतिरोधक समाज बढ़ाव जा सकती है।



आज

कानपुर

12 जून 2021

4

औषधीय गुणों से भरपूर है बेल

कानपुर, 11 जून। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर कुलपति डॉ डी.आर. सिंह की, ओर वैज्ञानिकों को निर्देश के क्रम में आज वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ रामप्रकाश ने बेल एक लाभ अनेक विषय पर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि बेल कई रोगों की रोकथाम करता है जैसे कफ, वात विकार, बदहजमी, दस्त, मूत्र रोग, पेचिश, डायबिटीज, ल्यूकोरिया इसके अतिरिक्त पेट दर्द, हृदय विकार, पीलिया, बुखार, आंखों के रोग आदि में बेल के सेवन से लाभ मिलता है। उन्होंने बताया कि बेल एक प्रचुर मात्रा में औषधीय गुणों से भरपूर फल है। आयुर्वेद में औषधीय दृष्टि से बेल के प्रत्येक भाग, बीज, तना, पत्ती और जड़ों का महत्व है। कजे फलों को सुखाकर बनाया गया चूर्ण अजीर्ण

और आमाविसार को रोकता है। इसके सेवन से पेट साफ रहता है। तने की छाल का रस वरनाशक होता है। पका फल खाने में स्वादिष्ट होता है। फल के गूदे से शर्बत तैयार किया जाता है जो

■ **डायबिटीज, पीलिया, बुखार सहित कई रोगों में लाभकारी है बेल का सेवन**

गर्मियों में लाभदायक होता है। कजे फल का मुरब्बा बनाया जाता है जो बहुत स्वादिष्ट होता है। बेल में प्रोटीन, बीटा कैरोटीन, थायमीन, रिबोफ्लैविन और विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। बेल के फल का जीवनकाल काफी लम्बा होता है। पेड़ से दूटने के कई दिन बाद भी

इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। बेल का रस कोलेस्ट्राल के स्तर को नियन्त्रित रखने में मददगार होता है। बेल के रस को शहद के साथ मिलाकर पीने से एसीडिटी में राहत मिलती है। बेल के रस में कुछ मात्रा गुनगुने पानी की मिला लें और इसमें थोड़ी सी शहद डालें, इस पेय के नियमित सेवन से खून साफ हो जाता है। बेल का रस तैयार करके उसमें कुछ बूंदें घी की मिला दीजिए, इस पेय को हर रोज निश्चित मात्रा में लें। इसके नियमित सेवन से दिल से जुड़ी बीमारियों से बचाव होता है। यह ब्लड शुगर को नियन्त्रित करने में सहायता होता है। उन्होंने बताया की कोरोना की वैज्ञानिकों द्वारा तीसरी लहर की आशंका जताई जा रही है ऐसे में बेल का प्रयोग कर शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाई जा सकती है।



11 जून 2021, शुक्रवार

www.worldkhaleexpress.media

MID DAY E-PAPER

www.worldkhaleexpress.com

अंक । 256 कानपुर नंगा

राजनाथ
ने किया बीएलओ
के दो केंद्रों का
उद्घाटन
पेज 9



सीएसए के कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक ने दी जानकारी

बेल एक, लाभ अनेकः डॉ. रामप्रकाश



कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बाबन रोड, तत्योरा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. रामप्रकाश ने बेल के लाभ के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बेल कई रोगों की रोकथाम करता है जैसे कफ, बात विकार, बदहजमी, दस्त, मूत्र रोग, पैचिश, डायबिटीज, ल्यूकोरिया, पेट दर्द, हृदय विकार, पीलिया, बुखार, आंखों के रोग आदि। बेल एक प्रचुर मात्रा में औषधीय गुणों से भरपूर फल है। आयुर्वेद में औषधीय दृष्टि से बेल के प्रत्येक भाग बीज, तना, पत्ती और जड़ों का महत्व है। कच्चे फलों को सुखाकर बनाया गया चूर्ण अजीर्ण और आमाविसार को रोकता है। इसके सेवन से पेट साफ रहता है। तने की

छाल का रस ज्वरनाशक होता है। पका फल खाने में स्वादिष्ट होता है। फल के गूदे से शर्वत तैयार किया जाता है जो गर्भियों में लाभदायक होता है। कच्चे फल का मुरब्बा बनाया जाता है जो बहुत स्वादिष्ट होता है। बेल में प्रोटीन, बीटा कैरोटीन, धायमीन, रिबोफ्लैविन और विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। बेल के फल का जीवनकाल काफी लंबा होता है। पेड़ से टूटने के कई दिन बाद भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। बेल का रस कोलेस्ट्राल के स्तर को नियन्त्रित रखने में मददगार होता है। बेल के रस को शहद के साथ मिलाकर

पीने से एसीडीटी में राहत मिलती है। बेल के रस में कुछ मात्रा गुनगुने पानी की मिला लें और इसमें थोड़ा शहद डालें, इस पेय के नियमित सेवन से खून साफ हो जाता है। बेल का रस तैयार करके उसमें कुछ बूदे भी की मिला दीजिए, इस पेय को हर रोज निश्चित मात्रा में लें। इसके नियमित सेवन से दिल से जुड़ी बीमारियों से बचाव होता है। यह ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में सहायक होता है। उन्होंने बताया कि कोरोना की तीसरी लहर की आशंका जताई जा रही है, ऐसे में बेल का प्रयोग कर शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाई जा सकती है।



जन एक्सप्रेस

इंडियन एक्सप्रेस

लालगढ़, लखीकर, 12 जून, 2021, वर्ष : 12, अंक : 238, पृष्ठ : 12, कृत्रिम ₹ 3.00/-

www.janexpresslive.com/magazine | www.janexpresslive.com/website

बोर्डर

बेल का सेवन करने से कई प्रकार के रोगों से मिलता है छुटकारा

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। बेल औषधीय गुणों से भरपूर एक ऐसा फल है जिसका सेवन करने से कई प्रकार के रोगों की रोकथाम होती है आयुर्वेद में औषधीय दृष्टि से बेल के प्रत्येक भाग बीज, तना, पत्ती और जड़ों का महत्व है इसके कच्चे फलों को सुखाकर बनाए गए चूर्ण से अजीर्ण और आमाविसार में लाभ मिलता है तथा इसके सेवन से पेट साफ रहता है इसके तने की छाल का रस ज्वर नाशक होता है बेल का पका फल खाने से स्वादिष्ट होने के साथ ही इसके गूदे से शरबत भी तैयार किया जाता है जो गर्भियों में लाभदायक होता है इसके कच्चे फल का मुख्य बनाया जाता है। बेल का सेवन कफ, वात, विकार, बदहजमी, दस्त, मूत्र रोग, पेचिश, डायबिटीज, ल्यूकोरिया इसके अतिरिक्त पेट दर्द, हृदय विकार, पीलिया, बुखार, आंखों के रोग आदि में लाभ मिलता है।

सीएसएयू के कुलपति डॉ.डी.आर. सिंह द्वारा जारी वैज्ञानिकों को निर्देश के क्रम में शुक्रवार को वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रामप्रकाश ने बेल एक लाभ अनेक विषय पर जानकारी देते हुए बताया कि बेल में प्रोटीन, बीटा



कैरोटीन, थायमीन, रिबोफ्लैविन और विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसका रस कोलेस्ट्रल के स्तर को नियन्त्रित रखने में मददगार होता है। बेल के रस को शहद के साथ मिलाकर पीने से एसीडिटी में राहत मिलती है। बेल के रस में कुछ मात्रा गुनगुने पानी की मिलाकर उसमे थोड़ा सा शहद मिलाकर नियमित पीने से खून साफ हो जाता है। उन्होंने बताया कि बेल के रस में कुछ बूदें धी की मिलाकर रोज निश्चित मात्रा में लेने से दिल से जुड़ी बीमारियों से बचाव होता है। यह ब्लड शुगर को नियन्त्रित करने में सहायक होता है। उन्होंने बताया की कोरोना की वैज्ञानिकों द्वारा तीसरी लहर की आशंका जताई जा रही है ऐसे में बेल का प्रयोग कर शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाई जा सकती है।





उत्तराखण्ड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांघिक दैनिक समाचार पत्र

जनगत टुडे.



वर्ष: 12

अंक: 164

देहादून, शुक्रवार, 11 जून, 2021

पृष्ठ: 08

मूल्य: 2/ल. प

बेल से बढ़ाएं शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को: डॉ रामप्रकाश

दीपक गौड़ (जनगत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर बावन रोड तत्योरा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ रामप्रकाश ने बेल एक लाभ अनेक विषय पर जानकारी दी है उन्होंने बताया कि बेल कई रोगों की रोकथाम करता है जैसे कफ, बात विकार, बदहजमी, दस्त, मूत्र रोग, पेचिश, डायबिटीज, ल्यूकोरिया इसके अतिरिक्त पेट दर्द, हृदय विकार, पीलिया, बुखार, आंखों के रोग आदि में बेल के सेवन से लाभ मिलता है उन्होंने बताया कि बेल एक प्रचुर मात्रा में औषधीय गुणों से भरपूर फल है आयुर्वेद में औषधीय दृष्टि से बेल के प्रत्येक भाग, बीज, तना, पत्ती

और जड़ों का महत्व है कच्चे फलों को सुखाकर बनाया गया चूर्ण अजीर्ण और आमाविसार को रोकता है इसके सेवन से पेट साफ रहता है तने की छाल का रस ज्वरनाशक होता है पका फल खाने में स्वादिष्ट होता है फल के गूदे से शर्बत तैयार किया जाता है जो गर्भियों में लाभदायक होता है कच्चे फल का मुरब्बा बनाया जाता है जो बहुत स्वादिष्ट होता है बेल में प्रोटीन, बीटा कैरोटीन, थायमीन, रिबोफ्लैविन और विटामिना सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है बेल के फल का जीवनकाल काफी लम्बा होता है पेड़ से टूटने के कई दिन बाद भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है बेल का रस कोलेस्ट्राल के स्तर को नियन्त्रित रखने में मददगार होता है।





आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666

साप्ताहिक हिन्दी दैनिक

सत्ता एक्सप्रेस

श्री.ए.वी.वी नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विभागीय मान्यता प्राप्त

मोड़ 12 डिम्ब : 238

कानपुर देल, तारिख 12 जून 2021

Email: sattaeexpress@rediffmail.com

बेल एक लाभ अनेक- डॉ रामप्रकाश

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर कुलपति डॉ डी.आर. सिंह द्वारा जारी वैज्ञानिकों को निर्देश के क्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ रामप्रकाश ने बेल एक लाभ अनेक विषय पर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि बेल कई रोगों की रोकथाम करता है जैसे कफ, बात विकार, बदहजमी, दस्त, मूत्र रोग, पैचिश, डायबिटीज, ल्यूकोरिया इसके अतिरिक्त पेट दर्द, हृदय विकार, पीलिया, बुखार, आंखों के रोग आदि में बेल के सेवन से लाभ मिलता है। उन्होंने बताया कि बेल एक प्रचुर मात्रा में औषधीय गुणों से भरपूर फल है। आयुर्वेद में औषधीय दृष्टि से बेल के प्रत्येक भाग, बीज, तना, पत्ती और

जड़ों का महत्व है। कच्चे फलों को सुखाकर बनाया गया चूर्ण अजीर्ण और आमाविसार को रोकता है। इसके सेवन से पेट साफ रहता है। तने की छाल का रस ज्वरनाशक होता है। पका फल खाने में स्वादिष्ट होता है। फल के गूदे से शर्करा तैयार किया जाता है जो गर्भियों में लाभदायक होता है। कच्चे फल का मुरब्बा बनाया जाता है जो बहुत स्वादिष्ट होता है। बेल में प्रोटीन, बीटा कैरोटीन, थायमीन, रिबोफ्लैविन और विटामिन आदि भरपूर मात्रा में पाया जाता है। बेल के फल का जीवनकाल काफी लम्बा होता है। पेढ़ से टूटने के कई दिन बाद भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। बेल का रस कोलस्ट्राल के स्तर को नियन्त्रित

रखने में मददगार होता है। बेल के रस को शहद के साथ मिलाकर पीने से एसीडिटी में राहत मिलती है। बेल के रस में कुछ मात्रा गुनगुने पानी की मिला लें और इसमें थोड़ी सी शहद डालें, इस पेय के नियमित सेवन से खून साफ हो जाता है। बेल का रस तैयार करके उसमें कुछ बूंदें धी की मिला दीजिए, इस पेय को हर रोज निश्चित मात्रा में लें। इसके नियमित सेवन से दिल से जुड़ी बीमारियों से बचाव होता है। यह ब्लड शुगर को नियन्त्रित करने में सहायक होता है। उन्होंने बताया कि कोरोना की वैज्ञानिकों द्वारा तीसरी लहर की आशंका जताई जा रही है ऐसे में बेल का प्रयोग कर शरीर में रोग प्रतिरोध का क्षमता बढ़ाई जा सकती है।



लोकप्रिय लोकप्रिय

वर्ष-05, अंक -227

सन्मान, 12 जून, 2021

पृष्ठ 12

मुख्य 3-25

न्यायिक सेवा, इतिहासीय और दैनिक खबरें

For epaper → www.updainikbhaskar.com

दैनिक भास्कर

दैनिक भास्कर

06

प्रचुर मात्रा में औषधीय गुणों से भरपूर फल है बेल : डॉ रामप्रकाश

कानपुर। सीएसए के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ रामप्रकाश ने बेल एक लाभ अनेक विषय पर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि बेल कई रोगों की रोकथाम करता है जैसे कफ, बात विकार, बदहजमी, दस्त, मूत्र रोग, पेचिश, डायबिटीज, ल्यूकोरिया इसके अतिरिक्त पेट दर्द, हृदय विकार, पीलिया, बुखार, आंखों के रोग आदि में बेल के सेवन से लाभ मिलता है। उन्होंने बताया कि बेल एक प्रचुर मात्रा में औषधीय गुणों से भरपूर फल है। आयुर्वेद में औषधीय दृष्टि से बेल के प्रत्येक भाग, बीज, तना, पत्ती और जड़ों का महत्व है। कच्चे फलों को सुखाकर बनाया गया चूर्ण अजीर्ण और आमाविसार को रोकता है। इसके सेवन से पेट साफ रहता है। तने की छाल का रस ज्वरनाशक होता है। पका फल खाने में स्वादिष्ट होता है। फल के गूदे से शर्वत तैयार किया जाता है जो गर्भियों में लाभदायक होता है। कच्चे फल का मुरब्बा बनाया जाता है जो बहुत स्वादिष्ट होता है। बेल में प्रोटीन, बीटा कैरोटीन, थायमीन, रिबोफ्लैविन और विटामिना सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। बेल के फल का जीवनकाल काफी लम्बा होता है। पेड़ से टूटने के कई दिन बाद भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। बेल का रस कौलेस्ट्राल के स्तर को नियन्त्रित रखने में मददगार होता है। बेल के रस को शहद के साथ मिलाकर पीने से एसीडिटी में राहत मिलती है। बेल के रस में कुछ मात्रा गुनगुने पानी की मिला लें और इसमें थोड़ी सी शहद डालें, इस पेय के नियमित सेवन से खून साफ हो जाता है। बेल का रस तैयार करके उसमें कुछ बूंदें धी की मिला दीजिए, इस पेय को हर रोज निश्चित मात्रा में लें। इसके नियमित सेवन से दिल से जुड़ी बीमारियों से बचाव होता है। यह ब्लड शुगर को नियन्त्रित करने में सहायक होता है। उन्होंने बताया की कोरोना की वैज्ञानिकों द्वारा तीसरी लहर की आशंका जताई जा रही है ऐसे में बेल का प्रयोग कर शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाई जा सकती है।



बेल एक लाभ अनेक, जानिये बेल के लाभकारी गुणों के बारे में

Home / रियो न्यूज़ 24 प्लस / खान-पान / बेल एक लाभ अनेक, जानिये बेल के लाभकारी गुणों के बारे में



बेल एक लाभ अनेक, जानिये बेल के लाभकारी गुणों के बारे में

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह द्वारा जारी वैज्ञानिकों को निर्देश के क्रम में शुक्रवार वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. रामप्रकाश ने बेल के लाभकारी गुणों के बारे जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि बेल कई रोगों की रोकथाम करता है जैसे कफ, बात विकार, बदहजमी, दस्त, मूत्र रोग, पेचिश, डायबिटीज, ल्यूकोरिया इसके अतिरिक्त पेट दर्द, हृदय विकार, पीलिया, बुखार, आंखों के रोग आदि में बेल के सेवन से लाभ मिलता है। बेल एक प्रचुर मात्रा में औषधीय गुणों से भरपूर फल है। आयुर्वेद में औषधीय दृष्टि से बेल के प्रत्येक भाग, बीज, तना, पत्ती और जड़ों का महत्व है। कच्चे फलों को सुखाकर बनाया गया चूर्ण अजीर्ण और आमातिसार को रोकता है। इसके सेवन से पेट साफ रहता है। तने की छाल का रस ज्वरनाशक होता है। पका फल खाने में स्वादिष्ट होता है। फल के गूदे से शरबत तैयार किया जाता है जो गर्भियों में लाभदायक होता है। कच्चे फल का मुरब्बा बनाया जाता है जो बहुत स्वादिष्ट होता है। बेल में प्रोटीन, बीटा कैरोटीन, थायमीन, रिबोफ्लैविन और विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। बेल के फल का जीवनकाल काफी लम्बा होता है। पेढ़ से टूटने के कई दिन बाद भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। बेल का रस कोलेस्ट्राल के स्तर को नियन्त्रित रखने में मददगार होता है। बेल के रस को शहद के साथ मिलाकर पीने से एसिडिटी में राहत मिलती है। बेल के रस में कुछ मात्रा गुनगुने पानी की मिला लें और इसमें थोड़ी सी शहद डालें, इस पेय के नियमित सेवन से खून साफ हो जाता है। बेल का रस तैयार करके उसमें कुछ बूँदे धी की मिला दीजिए, इस पेय को हर रोज निश्चित मात्रा में लें। इसके नियमित सेवन से दिल से जुड़ी बीमारियों से बचाव होता है। यह ब्लड शुगर को नियन्त्रित करने में सहायक होता है। उन्होंने बताया की कोरोना की वैज्ञानिकों द्वारा तीसरी लहर की आशंका जताई जा रही है ऐसे में बेल का प्रयोग कर शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाई जा सकती है।



आर.एन.आई.न.- UPHIN/2009/44666

राष्ट्रीय किसी दिनका

सत्ता एक्सप्रेस

श्री.एच.पी. नई विश्वविद्यालय एवं राज्य सरकार द्वारा विकास भवन में आयोजित

मात्र 12 रुपये : 238

कानपुर देहल, तिथि 12 जून 2021

Email: sattexpress@rediffmail.com

सीएसए मनायेगा आजादी की अविस्मरणीय 75 वीं वर्षगांठ कार्य योजना बनाते हुए बैठक में लिया निर्णय- कुलपति

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह ने विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता एवं निदेशकों के साथ आवश्यक बैठक की। इस बैठक में कुलपति ने निर्देश दिए कि समस्त अधिष्ठाता एवं निदेशक 75 व्याख्यान वर्चुअल माध्यम से संपन्न कराएं। जिसमें देश के प्रख्यात कृषि वैज्ञानिकों के व्याख्यान कराए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रथम व्याख्यान देश के कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एवं पदम विभूषण डॉक्टर आरबी सिंह द्वारा ज्ञान भवन में कृषि परिवर्तन विषय पर होगा। इस अवसर पर निदेशक प्रसारण समन्वयक को निर्देशित किया है कि प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र पर 15-15 व्याख्यान एक्सानों के द्वारा किसानों के लिए विषय पर आयोजित कराएं।

जाएं। जिसमें विशेष रूप से संबंधित जनपदों के प्रगतिशील किसानों के व्याख्यान अवश्य शामिल हो जो कि किसानों के लिए प्रभावी होंगे। साथ ही निदेशक प्रसारण समन्वय को यह भी निर्देशित किया है 75 हजार किसानों की फॉर्मस डायरेक्टरी एवं 1320 किसानों की सफलता की कहानियों का संकलन अभिलंब तैयार कराए जाएं। इस बैठक में कुलपति ने समस्त अधिष्ठाता एवं निदेशकों को यह भी निर्देशित किया है कि प्रत्येक दशा में 75 प्रकाशन (जिनमें किताबें, बुलेटिन, फोल्डर एवं कृषक उपयोगी साहित्य शामिल हो) प्रकाशित कराए जाएं। इसके साथ ही 25 नवीनतम तकनीकी, फसलों की प्रजातियां एवं फसल उत्पाद भी विकसित किए जाएं। कुलपति ने यह भी निर्देश दिए यह समस्त कार्य आजादी के 75 वीं वर्षगांठ यानी 15 अगस्त वर्ष 2022 तक अवश्य पूर्ण

कर लिए जाएं। इस बैठक में कुलपति ने यह भी निर्देश दिए हैं कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए विशेष अभियान के रूप में घूम ऊर्जा एवं जल संरक्षण की कार्य योजना बनाकर कार्य करने को कहा है इसी के साथ ही दलीप नगर बोड्डा प्रक्षेत्र पर वृक्षारोपण समारोह किया जाए जिसमें विश्वविद्यालय के प्रत्येक कर्मी की सहभागिता सुनिश्चित हो। एवं एक-एक पौधा सभी वैज्ञानिक एवं कर्मचारियों द्वारा माह जुलाई में रोपण किए जाएं। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ. एच. जी. प्रकाश, निदेशक प्रसारण समन्वयक डॉ. एके सिंह, अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉक्टर वेदरतन, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह, अधिष्ठाता लखीमपुर खीरी डॉक्टर आरके यादव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर आरपी सिंह एवं विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान उपस्थित रहे।